SSC FOUNDATION
सम्यान 1.0 बैच
CONSTITUTION
EXECUTIVE OF THE UNION
(संघ का कार्यकारी)
समय से तैयारी, समय से सफलता
DAILY LIVE : 12 PM
BY-PAWAN SIR
airGurukul

WELCOME TO

airGurukul

Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Powered by **Prince Edutech Private Limited**

⚠️ Disclaimer ⚖️

This presentation, lecture, and all related study materials have been created and published by airGurukul Institute for Career Growth, a unit of ***Prince Edutech Private Limited***, for educational and informational purposes only. While every effort has been made to ensure the accuracy and reliability of the content, airGurukul does not guarantee that the information is absolutely current or free from error. Examination patterns, syllabus, and official notifications are subject to change by respective authorities, and students are strongly advised to verify details from official sources before making any decisions.

All third-party materials including logos, questions, references, or data used within this content are solely for educational illustration and fair-use academic discussion. Their ownership and copyrights remain with their respective owners. airGurukul shall not be held liable for any loss, damage, or consequence arising directly or indirectly from the use of this information.

By attending this session, viewing this content, or using the provided materials, the viewer acknowledges and agrees to this disclaimer. Unauthorized recording, copying, or redistribution of this content in any form is strictly prohibited.

Part V of the Indian Constitution (भारतीय संविधान का भाग V)- ARTICLE- 52-151

"The Union" (संघ)

It contains provisions related to the Union Government – its structure, powers, functions, and responsibilities.

Structure of Part V

1. The Executive (कार्यपालिका) – Articles 52 to 78
2. The Parliament (संसद) – Articles 79 to 122
3. The Legislative Powers of the President (राष्ट्रपति की विधायी शक्तियाँ) – Articles 123
4. The Union Judiciary (संघीय न्यायपालिका) – Articles 124 to 147
5. The Comptroller and Auditor-General of India (भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक) – Articles 148 to 151

1. The Executive (कार्यपालिका) – Articles 52 to 78

Article 52 – The President of India (भारत के राष्ट्रपति)
Article 53 – Executive power of the Union (संघ की कार्यपालिका शक्ति)
Article 54 – Election of President-Electoral College (राष्ट्रपति के निर्वाचन के लिए निर्वाचक मंडल)
Article 55-62 – Method of Election, Manner, qualification, term, impeachment, and conditions of President (राष्ट्रपति के चुनाव की विधि, ढंग, योग्यता, कार्यकाल, महाभियोग और शर्तें)
Article 63 – The Vice-President of India (भारत के उपराष्ट्रपति)
Article 64-71 – Election, qualifications, functions, removal of Vice-President (उपराष्ट्रपति का चुनाव, योग्यताएं, कार्य, पदच्युति)
Article 72 – Power of President to grant pardons (क्षमा करने की शक्ति)
Article 74 – Council of Ministers to aid and advise the President
Article 75 – Prime Minister and other Ministers
Article 76 – Attorney-General of India (भारत के महाधिवक्ता)
Article 77-78 – Conduct of business of Union government (संघ सरकार के कार्य संचालन)

Article 52 – The President of India (भारत के राष्ट्रपति)

"There shall be a President of India."

This article establishes the office of the President as the constitutional head of the Indian Union.

"भारत का एक राष्ट्रपति होगा।"

यह अनुच्छेद भारत में राष्ट्रपति के पद की स्थापना करता है।
राष्ट्रपति भारत संघ का संवैधानिक प्रमुख (Constitutional Head) होता है।

भारत ने ब्रिटिश संसदीय शासन प्रणाली को अपनाया है, इसलिए राष्ट्रपति राष्ट्राध्यक्ष है, सरकार का प्रमुख नहीं।
India follows the Parliamentary System, so the President is the Head of State, not the Head of Government.

राष्ट्रपति नाममात्र का कार्यपालिका प्रमुख होता है, जबकि वास्तविक शक्तियाँ मंत्रिपरिषद के पास होती हैं।
The President is the nominal executive, while the real executive powers are exercised by the Council of Ministers.

अनुच्छेद 53 (Article 53) – संघ की कार्यपालिका शक्ति (Executive Power of the Union)

Article 53(1):

"The executive power of the Union shall be vested in the President and shall be exercised by him either directly or through officers subordinate to him in accordance with this Constitution."

"संघ की कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित होगी और वह उसका प्रयोग स्वयं अथवा अपने अधीनस्थ अधिकारियों के माध्यम से संविधान के अनुसार करेगा।"

Article 53(2):

भारत की थल सेना, नौसेना और वायु सेना का सर्वोच्च कमांड राष्ट्रपति में निहित होता है।

The supreme command of the Defence Forces of India is vested in the President.

लेकिन (But):

इस शक्ति का प्रयोग संसद द्वारा बनाए गए कानूनों के अनुसार किया जाता है।

यद्यपि अनुच्छेद 53 में कार्यपालिका शक्ति राष्ट्रपति में निहित बताई गई है, लेकिन वास्तविक रूप से इन शक्तियों का प्रयोग प्रधानमंत्री एवं मंत्रिपरिषद करते हैं। राष्ट्रपति संवैधानिक प्रमुख (Nominal Executive) होता है।

अनुच्छेद 54 (Article 54) – राष्ट्रपति का निर्वाचन (Election of the President)

"The President shall be elected by the members of an electoral college consisting of—
"राष्ट्रपति का निर्वाचन एक निर्वाचक मंडल (Electoral College) द्वारा किया जाएगा, जिसमें—
(a) the elected members of both Houses of Parliament; and
(क) संसद के दोनों सदनों के निर्वाचित सदस्य, तथा :- लोकसभा , राज्यसभा
(b) the elected members of the Legislative Assemblies of the States."
(ख) राज्यों की विधान सभाओं के निर्वाचित सदस्य शामिल होंगे।"

- Legislative Councils (राज्य विधान परिषद के सदस्य) भाग नहीं लेते।

70वाँ संविधान संशोधन अधिनियम, 1992

1992 के 70वें संविधान संशोधन द्वारा दिल्ली (NCT of Delhi) तथा पुदुचेरी (Puducherry) की विधानसभाओं के निर्वाचित सदस्यों को भी राष्ट्रपति के निर्वाचन मंडल में शामिल किया गया।

The 70th Constitutional Amendment Act, 1992 included the elected members of the Legislative Assemblies of Delhi and Puducherry in the Electoral College.

भारतीय राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली पर आयरलैंड के संविधान का प्रभाव माना जाता है।

राष्ट्रपति के निर्वाचन में मत प्रदान

लोकसभा

545 सीट

- 543 निर्वाचित
- ~~2 मनोनीत~~ = Anglo Indian

राज्यसभा

245 सीट

- 233 निर्वाचित
- ~~12 मनोनीत~~

104 वाँ सं० सं० 2019:- Anglo Indian पद समाप्त

~~Art 331~~ - लोकसभा   ~~Art 333~~ विधानसभा

राष्ट्रपति चुनाव में प्रस्तावक (Proposer) और अनुमोदक (Seconder)

वर्तमान व्यवस्था (Current Provision)

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार के नामांकन पत्र पर:
कम-से-कम 50 प्रस्तावक (Proposers) होने चाहिए।
कम-से-कम 50 अनुमोदक (Seconders) होने चाहिए।
अर्थात् कुल **100 निर्वाचकों (50 + 50)** का समर्थन आवश्यक है।

जमानत जब्त
कुल वैध मत का 1/6 भाग
आपको नहीं मिला तो

सुरक्षा जमानत (Security Deposit)

राष्ट्रपति पद के उम्मीदवार को **₹15,000** की जमानत राशि जमा करनी होती है।

शुरुआत में राष्ट्रपति चुनाव लड़ने के लिए बहुत कम समर्थन की आवश्यकता थी। इसके कारण कई **गैर-गंभीर (Non-serious)** और **प्रतीकात्मक उम्मीदवार** भी नामांकन दाखिल कर देते थे, जिससे चुनाव प्रक्रिया अनावश्यक रूप से जटिल हो जाती थी।

इस समस्या को रोकने के लिए **राष्ट्रपति एवं उपराष्ट्रपति निर्वाचन अधिनियम, 1952** में संशोधन कर यह व्यवस्था की गई कि उम्मीदवार को कम-से-कम **50 प्रस्तावकों और 50 अनुमोदकों** का समर्थन प्राप्त होना चाहिए।

📌 (a) MLA के वोट का मूल्य: विधायक : Point जुटाता है। जनसंख्या के आधार पर

$$\text{Value of Vote of an MLA} = \frac{\text{Population of State (as per 1971 census)}}{\text{Total Elected MLAs of the State} \times 1000}$$

राज्य

का Data लेता है

(जनसंख्या का आधार 1971 की जनगणना है, 84वें संशोधन (2001) के अनुसार इसे 2026 तक फ्रीज़ किया गया है।)

84 वाँ सं० सं० 2001

📌 (b) MP के वोट का मूल्य: सांसद :- Point जुटाता है जनसंख्या के आधार पर

$$\text{Value of Vote of an MP} = \frac{\text{Total Value of Votes of All MLAs of All States}}{\text{Total Number of Elected MPs of Both Houses}}$$

अनुच्छेद 55 (Article 55) – राष्ट्रपति के निर्वाचन की रीति (Manner of Election of President)

अनुच्छेद 55 राष्ट्रपति के चुनाव की प्रक्रिया और सिद्धांत बताता है। इसका उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि राष्ट्रपति के निर्वाचन में सभी राज्यों का समानुपातिक प्रतिनिधित्व (Uniformity among States) और संघ तथा राज्यों के बीच संतुलन (Parity between Union and States) बना रहे।

Article 55 lays down the **manner of election of the President**. Its objective is to ensure **uniformity in the representation of different States** and **parity between the States and the Union**.

- राष्ट्रपति चुनाव Proportional Representation (अनुपातिक प्रतिनिधित्व) प्रणाली से होता है।
- Single Transferable Vote (एकल हस्तांतरणीय मत) का उपयोग किया जाता है।
- मतदान गुप्त मतदान (secret ballot) से होता है।
- Indirect Election (अप्रत्यक्ष चुनाव):-

राष्ट्रपति का चुनाव प्रत्यक्ष मतदान से जनता द्वारा नहीं किया जाता।

Ballot – Green- MP

Ballot – Pink- MLA

भारतीय राष्ट्रपति चुनाव प्रणाली पर आयरलैंड के संविधान का प्रभाव माना जाता है।

THANK YOU

airGurukul

Preparing Bharat, Empowering Futures

airGurukul Institute for Career Growth

www.airgurukul.com

Follow Us |

Powered by **Prince Edutech Private Limited**